Creating a Passionate World of Arts

Why should I give my time to this book?

Because you never know – 'this' might be the perfect gift for your beloved!!

This small eBook entails a collection of 25 handpicked short poems in Hindi/Urdu languages reflecting different shades of 'love'. Accompanied with beautiful illustrations - sketches and paintings - of love, these small couplets are worth retaining in your memoirs forever!

All the poems and sketches in the book are selected through a very tough online competition by Tumbhi with an objective of compiling the best and presenting something extraordinary to the world.

So each page of the book is a contribution by Tumbhi Artists - to redefine the meaning of love!

www.tumbhi.com | http://writing.tumbhi.com

Follow us online:

- https://twitter.com/tumbhi
- https://www.facebook.com/TUMBHI

Copyright © Tumbhi | 2013

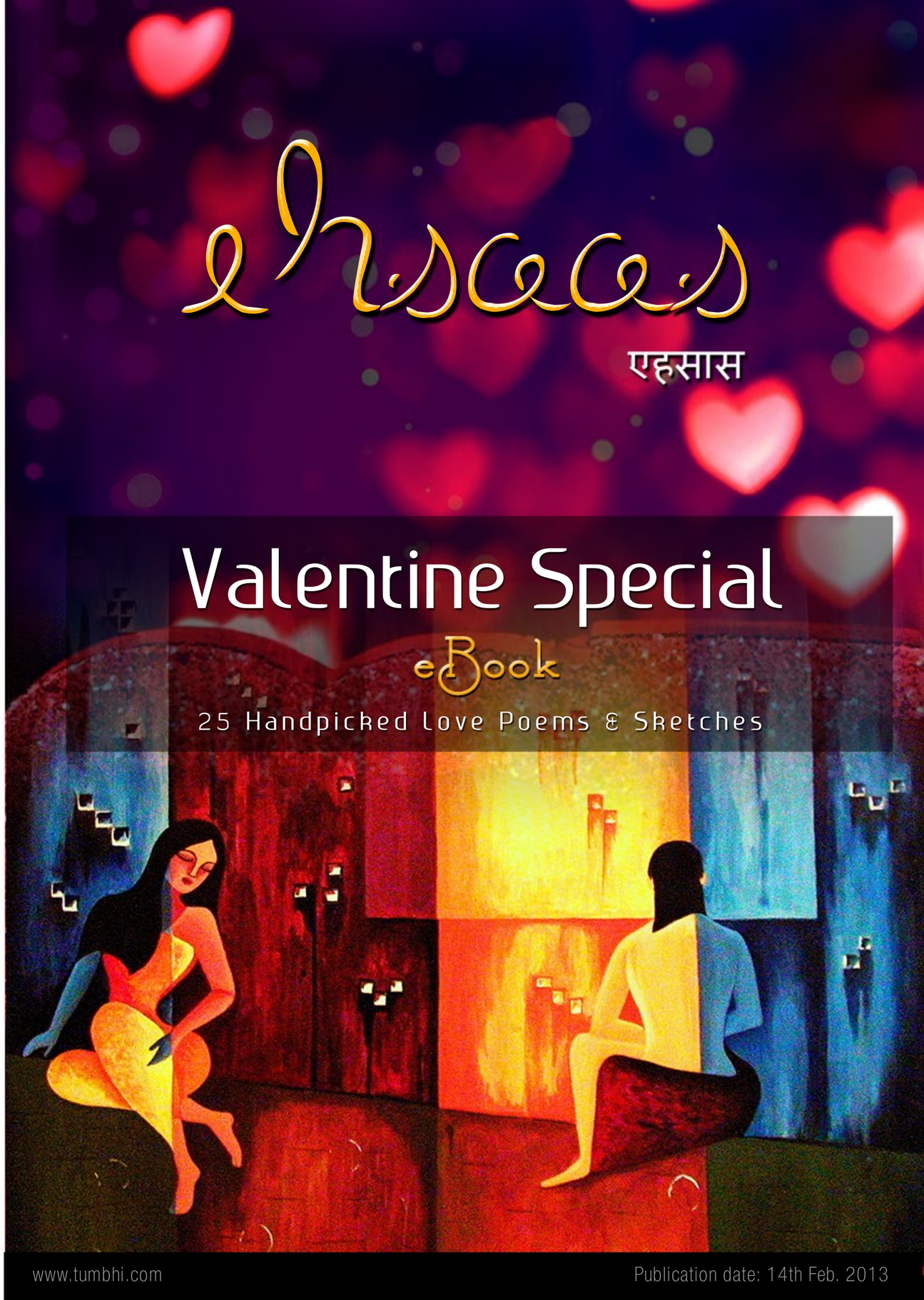

Introduction

Search for "**love poems**" on Google and you will get 34,900,000 results. Don't crib about the quality from Internet because you have this eBook now – an exclusive selection of 25 handpicked poems. If love is making you wish that you were a poet, this is the eBook for you.

All the poems and sketches in the eBook are selected through an online competition by Tumbhi.com, the largest online community of artists and art lovers. After several levels of shortlists and review, 25 poems and sketches were selected to create this **Valentine Special eBook**.

So how should you read this eBook? Serially - going from one page to another? Not really... Just open any page and read the poetry, try and find the real meaning of the sketch which the artist is trying to convey - You might just discover a new meaning every time you read it!

Join us in the journey of redefining the meaning of love!

- Pratik Deshpande

कदम चंद कदम, चलो, थोड़ा साथ चलें,
मसलों की कमी हो, तो ख़ामोशी से बात करें
सिरफिरी सरसराहट खुश्क पत्तों में छिपी बैठी है;
टटोलें उसे, उसकी सुनें थोड़ी अपनी बात करें।
फिर कभी सुकून, साँसों को आवाज़ मिले न मिले,
नज़रों को भी मिलने दो, नज़रियों की बात करें।

- Shashank Dwiwedi

Copyright @ Tumbhi.com 2013

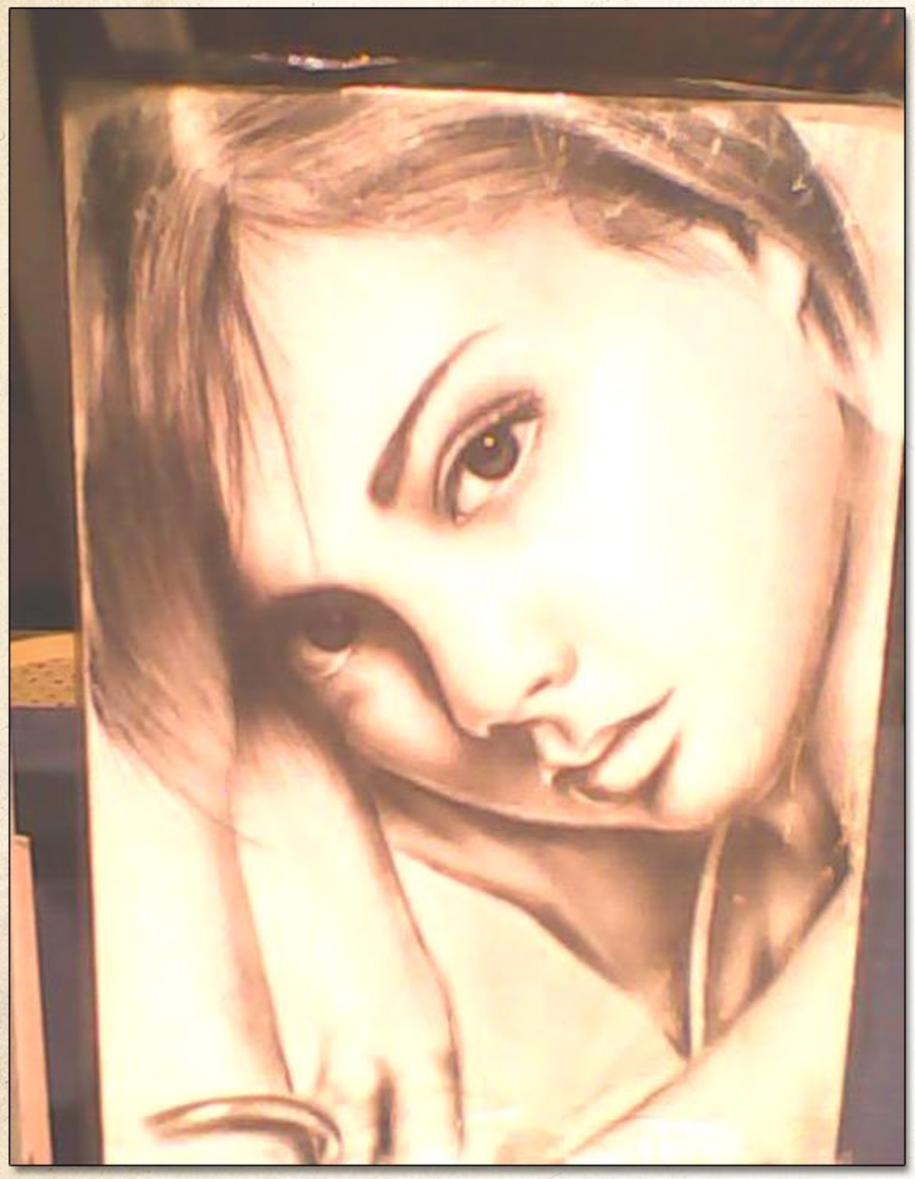

- Ritchard Ramos

लोग कहते हैं,
तुम बहुत बोलती हो...,
किसी ने तुम्हारी आँखों को नहीं देखा...,
तुमसे ज़्यादा बोलती हैं...।

- Amir Hussain

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Praveen Gola

काश उस के मकाँ के सामने मेरा भी मकाँ होता,
चाँद जैसे चेहरे को तकना कितना आसाँ होता;
उधर वो इतरा-इतरा के खिड़की पे बाल संवारता,
इधर मैं बैठे-बैठे उसकी तस्वीर उतारता;
ये सारा मंजर कितना हसीं होता,
ये आशिकी का पल कितना जवाँ होता।

- Ramesh Kumar

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Arpa Mukherjee

ज़िन्दगी माचिस की इक तीली है,
एक से शमा जला लूँ या चूल्हा;
दोनों के चक्कर में कई दफा ऊँगली जली है.....
ज़िन्दगी माचिस की इक तीली है।

- Abid Hussain

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Vivekk Prabhu

कल रात भर रात को, चलते देखा हमने
रात की ठंडक में खुद को, जलते देखा हमने
रात थी, कि रुकी हुई सी कोई जिन्दगी
रात भर करवट बदलते, खुद को देखा हमने
कर रहा था शायद, कोई मुझे याद
उसका नाम लेकर खुद को, मचलते देखा हमने।

- Qais Jaunpuri

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Upasana Somaskandan

मेरा रंग क्या है, मुझमें जो उतरोगे तो समझ पाओगे,
मैं इश्तेहार नहीं जो खूबियाँ चेहरे पे सजाता फिरूँ..||

- Nikhil Srivastava

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Anu Priya

यूँ ही कही कोई बात तुमने - मेरी वो कहानी बन गई,
लोगों ने भी बड़े चाव से किताबें पढ़ने का शौक रक्खा;
कुछ पन्नों से अरसों बाद भी इत्र की खुशबू आती रही।

- Mugdha Wagh

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Upasana Somaskandan

सपनों के चरखे से हकीकत का धागा बुन लेंगे,
ओढ़ लेंगे आसमान की चादर,तारों के दिया जला लेंगे ;
एक खटिया,एक बिछौना, आधा-आधा बाँट लेंगे;
चाँद की चाँदनी या सूरज की तपन ,आधी आधी ओढ़ लेगें;
थोड़ा तुम चलना, थोड़ा मैं साथ दूँगा ,रास्ता बाँट लेंगे;
यूँ मोहब्बत का सफर हम मिलकर तय कर लेंगे।

- Meenakshi Bhalerao

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Hina Amin

ऐ ख्यालों अब तो ख़ामोश हो जाओ,
मैं भी थोड़ा आराम कर लूं ,
तुम भी अब सो जाओ|

- Shaikh Gulam Ahmed

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Vivekk Prabhu

पहले समझें तो सही रहगुज़र की बातें ,
गर मिला वक़्त, तो फिर करेंगे सफ़र की बातें;
उल्फ़त है लफ्ज़ -ए - बेमानी इस दौर में ,
लोग करते हैं फ़क़त इधर-उधर की बातें ।

- Thakur Taish

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Aditya Shankar

उसके जिस्म की गर्मी,

उसकी बर्फ सासें,

एक लम्हे में मैं,

पिघल भी गयी, जम भी गयी।

- Manisha Pandey

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Arpa Mukherjee

तुझसे कहीं अच्छी तेरी यादें हैं,
रोज़ाना मिलने चली तो आती हैं;
किसी न किसी बहाने दिन-भर में,
मुस्कान लबों पे खिला ही जाती हैं।

- Vikas Pratap Singh

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Hina Amin

कहते हैं वक्त के साथ हर घाव भर जाता है,
डरता हूँ ये सोच कर के,
कहीं उसकी ये आख़िरी निशानी भी न चली जाये...।

- Arpit Mishra

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Ahsan Khan

अमावस में चाँद की ख़बर लिख रहा हूँ,
तुझे देखा था, वो नज़र लिख रहा हूँ;
तेरे साथ बिताये लम्हों में सदियाँ हैं,
मैं कागज पर सदियों का सफ़र लिख रहा हूँ।

- Amit Sahu

Copyright @ Tumbhi.com 2013

- Varun Gupta

बाँध कर तूने अपनी जुल्फों को,
अरमान इस दिल के दबा दिए;
खोल के रखा कर तू इन्हें,
अच्छी लगती हैं तुझ पर बिखरी-बिखरी!

- Nitin Kumar

Copyright @ Tumbhi.com 2013

Thank You for previewing this eBook

You can read the full version of this eBook in different formats:

- HTML (Free /Available to everyone)
- PDF / TXT (Available to V.I.P. members. Free Standard members can access up to 5 PDF/TXT eBooks per month each month)
- Epub & Mobipocket (Exclusive to V.I.P. members)

To download this full book, simply select the format you desire below